>

Title: Regarding flood situation in Maharashtra.

श्री सुभाष बापूराव वानखेडे (हिंगोली): सभापति जी, महाराष्ट्र में जून से लेकर आज तक कई जिलों में सुबह-शाम लगातार वर्षा हो रही है। आज महाराष्ट्र के सीएम दिल्ली आए थे और मेरे ख्याल से प्रधान मंत्री महोदय से उनकी मुलाकात भी हुई। मेरा संसदीय चुनाव क्षेत्र तीन जिलों से लगा हुआ है - हिंगोली, नान्देड़ और यवतमाल। मैं कहना चाहता हूं कि वर्षा से कई गांव डूब गए हैं। गोदावरी नदी, पेन गंगा, पूर्णा, पूस नदी, 99 प्रतिशत डैम भर गए हैं। कई गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। कई लोग बेघर हो गए हैं। कई गांवों का सम्पर्क टूट गया है। सड़कें नष्ट हो गई हैं। किसानों की सारी फसल नष्ट हो गई है, जिसके कारण आज वे परेशानी में हैं। इसलिए मैं आपके माध्यम से विनती करता हूं कि केन्द्र सरकार यहां से अधिकारियों की एक टीम मेरे हिंगोली चुनाव क्षेत्र में भेज दे। वह नान्देड़, हिंगोली और यवतमाल की स्थिति का आकलन कर ले। इस संबंध में केन्द्र सरकार जितनी मदद कर सकती है, उतनी करे।

सभापति महोदय : सुभाष जी, आप अवगत होंगे कि आज माननीय कृषि मंत्री जी ने कहा है कि महाराष्ट्र सरकार से उन्हें ज्ञापन प्राप्त हो गया है और वे शीघ्र ही भारत सरकार की एक टीम महाराष्ट्र में भेजने की व्यवस्था कर रहे हैं।

श्री सुभाष बापूराव वानखेडे: किसानों की पूरी फसल नष्ट हो गई है।...(व्यवधान)

सभापति महोदय : उसे टीम असैस करेगी। आपकी बात आ गई है। धन्यवाद।

â€¦(व्यवधान)

श्री सुभाष बापूराव वानखेडे : आधा एकड़, एक एकड़ के आठ सौ रुपये, हजार रुपये की मदद राज्य सरकार दे रही है।...(व्यवधान) किसानों का लाखों रुपये का नुकसान हुआ है।...(व्यवधान)

सभापति महोदय : उसका एक पैरामीटर है। अगर 50 प्रतिशत से ज्यादा फसल का नुकसान होगा तो आपको पूरा मुआवजा मिलेगा अन्यथा उसका एक रेट है और वह मिलेगा।